मांग फलन व मांग का नियम

Demand Function & Law of Demand

Class – B.A. – Ist Semester

Dinesh Kumar Gupta
Assistant Professor (Economics)
Rajkiya Mahavidyalaya Amori, Champawat

मांग का नियम

माँग का नियम वस्तु की कीमत, उपभोक्ता की आय व अन्य वस्तुओं के मूल्य एवं उसकी माँगी गई मात्रा के संबंध को बतलाता है। माग का नियम प्रायः मूल्य मांग के नियम के रूप मे जाना जाता है। वस्तु की कीमत में वृद्धि होने पर मॉग में कमी होने की एवं वस्तु की कीमत में कमी होने पर माँग में वृद्धि होने की प्रवृत्ति को अर्थशास्त्र में माँग के नियम के रूप मे जाना जाता है । माँग के नियम के प्रतिपादन का श्रेय प्रो. मार्शल को है।

प्रो.मार्शल के अनुसार, जब वस्तु की कीमत कम होती है तो उसकी मांगी गई मात्रा अधिक हो जाती है इसके विपरीत जब वस्तु की कीमत अधिक हो जाती है तो मांगी गई मात्रा कम हो जाती। प्रो.सेमुएलसन के अनुसार, यदि बाजार में किसी वस्तु की अधिक मात्रा प्रस्तुत की जाय तब अन्य बाते समान रहने पर ,वह कम मूल्य पर ही बेचीं जा सकती है।

नियम की मान्यताएं–

परिभाषाओं से स्पष्ट है कि प्राय सभी अर्थशास्त्रियों ने इस नियम की क्रियाशीलता के लिए "अन्य बातें समान रहें" **वाक्यांश** का प्रयोग किया है। इससे प्रतीत होता है कि कीमत और मूल्य का संबंध कुछ मान्यताओं पर आधारित है। ये निम्नांकित हैं

(1) व्यक्ति की आय स्थिर रहनी चाहिए।

(2) उसके स्वभाव, रुचि, फैशन आदि में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

(3) वस्तुओं की कीमत भी स्थिर रहनी चाहिए।

(4) कोई नई स्थानापन्न वस्तु की खोज नहीं होनी चाहिए।

(5) वस्तु प्रतिष्ठा प्रदान करने वाली नहीं होनी चाहिए ।

(6) भविष्य में वस्तु की कीमत में और अधिक परिवर्तन की संभावना नहीं होना चाहिए।

मांग फलन–

किसी वस्तु की मांग Dx उसके मूल्य (Px) उपभोक्ता की आय (Y) अन्य वस्तुओं का मूल्य (Po) ,रुचि तथा फैशन (t) इत्यादि पर निर्भर करता है। मांग विश्लेषण / फलन मांग एंव मांग को प्रभावित करने वाले कारकों के बीच सम्बन्ध की व्याख्या करता है।

मांग फलन $Dx = f(Px, Y, Po)$ जो तीन प्रकार का होता है–

1– **मूल्य मांग नियम**–Price Demand Law
2– **आय मांग का नियम** –Income Demand Law
3– **तिर्यक मांग का नियम** Cross Demand Law

$Dx = f(Px)\ Y\&Po^{-}$

$Dx = f(Y)\ Px\ \&\ Po^{-}$

$Dx = f(Po)\ Px\ \&Y^{-}$

मूल्य मांग का नियम

यह नियम वस्तु के मूल्य एंव मांग के बीच विपरीत, ऋणात्मक सम्बन्ध को स्पष्ट करता है। रेखाचित्र मे मांग वक्र ऋणात्मक ढालयुक्त है। जिसमे मूल्य PX_1 होने पर मांग DX_1 तथा मूल्य घटकर PX_2 होने पर मांग बढकर DX_2 हो जाती है।

सामान्यतया मांग वक्र नीचे दायीं ओर गिरता हुआ होता है। पर कुछ ऐसी स्थितियां सम्भव है जब कि मांग वक्र नीचे दाहिनी ओर गिरता हुआ न हो ऐसी स्थिति में मूल्य मांग सम्बन्ध धनात्मक होगा। जैसे– गिफेन वस्तुएं, प्रतिष्ठा सूचक वस्तुएं, जीवन अनिवार्य वस्तुएं।